Toppersnotes®
Unleash the topper in you

RAS

राजस्थान प्रशासनिक सेवा

मुख्य परीक्षा

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)

भाग – 4

खेल एवं योग, व्यवहार एवं विधि

SIERRA INNOVATIONS

RAS – मुख्य परीक्षा

भाग - 4

खेल एवं योग

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**भारत एवं राजस्थान राज्य की खेल नीति** • भारत में खेल नीतियाँ • खेल प्रोत्साहन योजनाएं • **राजस्थान की खेल अकादमियाँ**	**1**
2.	**भारतीय खेल प्राधिकरण एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद** • भारतीय खेल प्राधिकरण • राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद • मुख्यमंत्री खेल प्रतिभा खोज योजना • समिति एवं कार्यकारी एजेन्सी • मिशन ओलम्पिक प्रकोष्ठ (एमओसी.) • जिला क्रीड़ा परिषदें • राजस्थान युवा बोर्ड	**9**
3.	**राष्ट्रीय एवं राज्य खेल पुरस्कार** • मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार • अर्जुन पुरस्कार • द्रोणाचार्य पुरस्कार • महाराणा प्रताप पुरस्कार • गुरू वशिष्ठ पुरस्कार • मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ट्राफी • राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार • राजस्थान के पद्मश्री पाने वाले खिलाड़ी • राष्ट्रीय खेल पुरस्कार **2021-** विभिन्न श्रेणियों में विजेता • मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार **2021**	**17**
4.	**सकारात्मक जीवन पद्धति . योग** • परिभाषा • महत्व • अश्टांगिक योग • षट्कर्म • स्वास्थ्य के लिए योग • शारीरिक दक्षता के लिए योग • एकाग्रता के लिए योग • यौगिक क्रियाओं के उद्देश्य • भारत के प्रसिद्ध योगगुरु • अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस • योग का महत्व • योग का लक्ष्य	**25**

	• योग के प्रकार • चिकित्सा के रूप में योग • योग की क्रिया प्रणाली व लाभ • योग और आयुर्वेद	
5.	**भारत के विख्यात खेल व्यक्तित्व** • भारत के श्रेष्ठ खिलाड़ी • राजस्थान के नवोदित खिलाड़ी • प्राथमिक उपचार एवं पुर्नवास • प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण • प्राथमिक चिकित्सा की सीमा • प्राथमिक उपचार में आवश्यक बातें • प्राथमिक उपचार करने वाले व्यक्ति के गुण • प्राथमिक उपचार के मूल तत्व • स्तब्धता का प्राथमिक उपचार • अस्थिमंग का प्राथमिक प्राथमिक उपचार • मोच का प्राथमिक उपचार • रक्तस्राव का प्राथमिक उपचार	**35**
6.	**प्राथमिक उपचार एवं पुर्नवास** • प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण • प्राथमिक चिकित्सा की सीमा • प्राथमिक उपचार में आवश्यक बातें • प्राथमिक उपचार करने वाले व्यक्ति के गुण • प्राथमिक उपचार के मूल तत्व • स्तब्धता का प्राथमिक उपचार • अस्थिमंग का प्राथमिक उपचार • मोच का प्राथमिक उपचार • रक्तस्राव का प्राथमिक उपचार	**44**
7.	**भारतीय खिलाड़ियों की ओलम्पिक, एशियाई खेल, कॉमनवेल्थ एवं पैरा-ओलम्पिक खेल में भागीदारी।** • ओलम्पिक खेल • टोक्यो 2020 ओलंपिक्स में भारत का प्रदर्शन • पैरालंपिक खेल	**47**

व्यवहार

S.No.	Chapter Name	Page No.
8.	**बुद्धि** • विशेषताएँ • बुद्धि के प्रकार • संज्ञानात्मक बुद्धि • सामाजिक बुद्धि • संवेगात्मक बुद्धि • सांस्कृतिक बुद्धि • बुद्धि-लब्धि **बुद्धि.लब्धि के कारक** • बुद्धि के निर्धारण तत्व • मंद बुद्धि	**53**

	• बुद्धि के सिद्धान्त **कारकीय सिद्धान्त** **प्रक्रिया. उन्मुखी सिद्धान्त** **गार्डनर का बहु बुद्धि सिद्धान्त** • बुद्धि-परीक्षणों के प्रकार	
9.	**व्यक्तित्व** • व्यक्तित्व का मनोवैश्लेषिक सिद्धान्त • व्यक्तित्व का शीलगुण सिद्धांत • आल्लपोर्ट के व्यक्तित्व सिद्धान्त **व्यक्तित्व की संरचना** • व्यक्तित्व के प्रकार **हिप्पोक्रेट्स का वर्गीकरण** **शेल्डन का वर्गीकरण** **युंग का वर्गीकरण** • व्यक्तित्व के निर्धारण के तत्व • व्यक्तित्व का मापन	**62**
10.	**अधिगम एवं अभिप्रेरणा** • अधिगम **अधिगम की विशेषताएँ** : **अधिगम की शैलियाँ** • स्मृति के मॉडल • स्मृति तंत्र • विस्मृति के कारण • अभिप्रेरणा **कार्य अभिप्रेरणा के सिद्धांत और अभिप्रेरणा का मापन** **प्रतिबल एवं प्रबंधन** • तनाव की प्रकृति • तनाव के संकेत और लक्षण • तनाव के प्रकार • तनाव के सामान्य स्रोत • **जीवन रक्षा तनाव (सर्वाइवल स्ट्रेस):** **आंतरिक तनाव** **पर्यावरणीय दबाव** **दुर्बलता तथा अत्यधिक काम** • तनाव के प्रभाव **शारीरिक प्रभाव** **मानसिक प्रभाव** **व्यवहार प्रभाव** **तनाव से जुड़े कुछ रोग** • तनाव प्रबंधन तकनीकें • मानसिक स्वास्थ्य का प्रोत्साहन	**73**
11.	**प्रतिबल एवं प्रबंधन** • तनाव की प्रकृति • तनाव के संकेत और लक्षण • तनाव के प्रकार • तनाव के सामान्य स्रोत **जीवन रक्षा तनाव)सर्वाइवल स्ट्रेस** **आंतरिक तनाव** **पर्यावरणीय दबाव** **दुर्बलता तथा अत्यधिक काम**	**84**

	• तनाव के प्रभाव **शारीरिक प्रभाव** **मानसिक प्रभाव** **व्यवहार प्रभाव** **तनाव से जुड़े कुछ रोग** • तनाव प्रबंधन तकनीकें **मानसिक स्वास्थ्य का प्रोत्साहन**	

विधि

S.No.	Chapter Name	Page No.
12.	**विधि की अवधारणा** • विशेषताएँ • गुण • दोष • सिविल तथा दण्डात्मक न्याय **सिविल तथा दांडिक कार्यवाही में अन्तर** • स्वामित्व • स्वामित्व के अधिकार • स्वामित्व के अर्जन की रीतियाँ **हिन्दू विधि** **रोमन विधि** • कब्ज़ा **तथ्यतः कब्जा और विधित कब्जा** • कब्जाधारी के अधिकार • कब्जे का अर्जन **लेना** **परिदान** **विधि के प्रवर्तन द्वारा** • कब्जा और स्वामित्व में सम्बन्ध **कब्जा तथा स्वामित्व अधिकार** **दोनों के अधिकार** **स्वामित्व और कब्जे के बीच अंतर** • विधिक व्यक्ति / व्यक्तित्व **व्यक्ति के प्रकार**: **विधिक व्यक्ति के प्रकार** • 'दायित्व' **दायित्व के प्रकार**. • अधिकार और कर्तव्य **अधिकार** **नैतिक अधिकार तथा विधिक अधिकार में भेद** **अधिकार और शक्ति में भेद** **कर्तव्य और अधिकार में परस्पर सम्बन्ध** **कर्तव्य का वर्गीकरण** **विधिक अधिकार**	92
13.	**वर्तमान विधिक मुद्दे** • सूचना • भारत में सूचना का अधिकार **सूचना का अधिकार**	109

	लोक सूचना अधिकारी के कर्त्तव्य **अदेय सूचना** **आंशिक प्रकटीकरण** **तृतीय पक्ष से संबंधित सूचना के प्रकटीकरण की प्रक्रिया** **अपील** **सूचना आयोग** **संरचना** **नियुक्ति** **योग्यता** **कार्यकाल** **निष्कासन** **शक्तियां और कार्य** **न्यायालय का हस्तक्षेप** **समीक्षा** • सूचना प्रौद्योगिकी सम्बन्धित विधि **उद्देश्यों एवं कारणों का विवरण** • आईटी एक्ट, **2000** • जुर्माना एवं क्षेत्राधिकार से संबंधित प्रावधान • साइबर एपिलेट ट्रिब्यूनल सिविल प्रक्रिया संहिता • साइबर आतंकवाद के लिए दंड का प्रावधान किसी व्यक्ति द्वारा • कम्प्यूटर पर अश्लील सामग्री का प्रकाशन • साइबर अपीलीय न्यायाधीकरण • बौद्धिक संपदा अधिकार **बौद्धिक संपदा अधिकारों की विशेषताएं** **ट्रिप्स** (TRIPS: Trade Related Aspects of Intellectual Property Rights) • विश्व बौद्धिक संपदा संगठन **(World Intellectual Property Organisation):** **बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रकार** **राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति**	
14.	**स्त्रियों एवं बालकों के विरूद्ध अपराध** • घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, **2005** **अधिनियम का उद्देश्य** **घरेलू हिंसा** (**धारा** 3) **शिकायत की प्रक्रिया** (**धारा** 4, 5) **प्रदत्त उपचार** • महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न **(**निवारण**,** प्रतिषेध और प्रतितोष**)** अधिनियम**, 2013** **संरक्षण** **कार्यस्थल** (**धारा** 2 (**ण**)) **अधिनियम के अधीन लैंगिक उत्पीड़न** (**धारा** 2 (**ढ**)) **कर्मचारी** (**धारा** 2(**च**)) **परिवाद समिति** **आंतरिक परिवाद समिति** (**धारा** 4) **आंतरिक परिवाद समिति की संरचना** (**धारा** 4 (2)) **अन्य अपेक्षाएं** **जिला अधिकारी की अधिसूचना** (**धारा** 5) **स्थानीय परिवाद समिति** (**धारा** 6) **अंतरिम अनुतोष** **मिथ्या या द्वेषपूर्ण परिवाद** (**धारा** 14)	**125**

	नियोजक के कर्तव्य (**धारा** 19) **समय.सीमाएं** • लैंगिक अपराधों से बालकों को संरक्षण अधिनियम, **2012** **बालकों के विरुद्ध लैंगिक अपराध** **लैंगिक हमला** **अश्लील प्रयोजनों के लिए बालक का उपयोग** **बालक के कथनों को अभिलिखित करने के लिए प्रक्रिया:** **विशेष न्यायालय** • बालश्रम **भारत में बाल श्रम के खिलाफ राष्ट्रीय कानून और नीतियां** **अशिक्षा और बाल मजदूर** **बाल मजदूरी ओर कुछ आंकड़े** **बाल मजदूरी पेशा. स्वास्थ्य बाधाएँ एवं खतरा** **बाल मजदूरी अधिनियम**	
15.	**राजस्थान में महत्त्वपूर्ण भूमि विधियां** • राजस्थान के निर्माण के समय भूधारण प्रणालियां **राजस्थान में शामिल होने वाले राज्यों में काश्तकारी कानून** • राजस्थान काश्तकारी अधिनियम **1955** • राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, **1956**	**146**
16.	**माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007** **2007 अधिनियम और संशोधन बिल के बीच अंतर**	**162**

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें।

टॉपर्सनोट्स एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

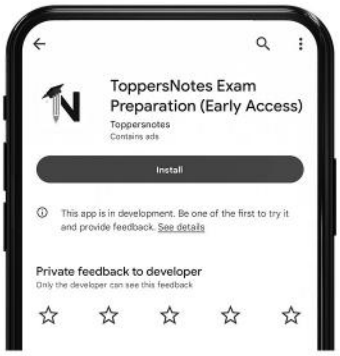

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से।

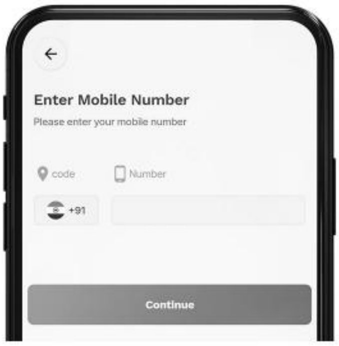

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें।

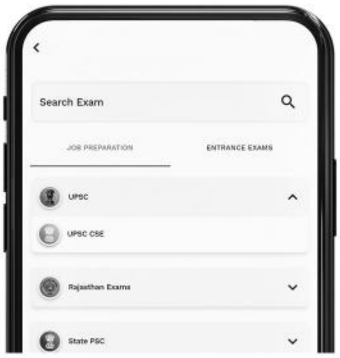

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें।

सर्च बटन पर क्लिक करें।

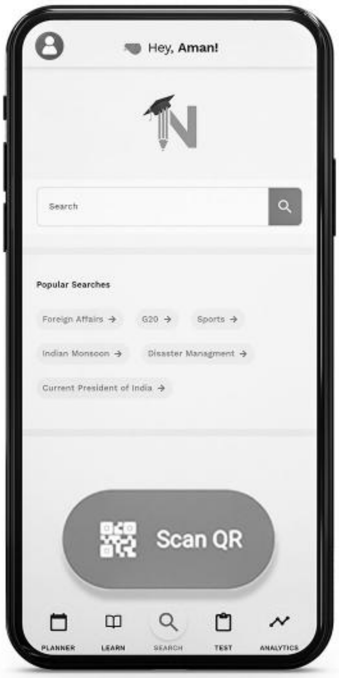

SCAN QR पर क्लिक करें।

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें।

- सोल्युशन वीडियो
- डाउट वीडियो
- कॉन्सेप्ट वीडियो

- अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री

- विषयवार अभ्यास
- कमजोर टॉपिक विश्लेषण

- रैंक प्रेडिक्टर
- टेस्ट प्रैक्टिस

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए **hello@toppersnotes.com** पर मेल करें या **766 56 41 122** पर whatsapp करें।

I

CHAPTER

भारत एवं राजस्थान राज्य की खेल नीति

- 'खेल' का सामान्य अर्थ बच्चों के खेलने के दृष्टिकोण से खेल शारीरिक व मानसिक क्रिया है जिसका कोई उद्देश्य लाभ लेना नहीं होता है।
- खेलों में युवा वर्ग के भाग लेने से इसका अर्थ व्यापक रूप ले लेता है और इसे इस अर्थ में ले सकते हैं खेल शारीरिक व मानसिक क्रिया है जिसका कोई उद्देश्य व लाभार्जन प्राप्त करना हो जाता है।
- मानव शरीर की प्रत्येक गतिविधि ने किसी न किसी खेल को जन्म दिया है।
  - खेलों की शुरुआत आत्म सुरक्षा के साथ ही शुरू हुई।
  - तीरंदाजी को पाषाण काल में (आठ हजार ई.पू.) एक शिकार खेलने के लिए प्रयुक्त की जाने वाली कला माना जाता था।
    - खेलों के इतिहास सबसे प्राचीन उपलब्ध प्रमाण कुश्ती का है, जो 2750-2600 ई.पू. में मिला।
- पं. जवाहर लाल नेहरू का खेलों के प्रति यह दृष्टिकोण था कि खेल खेल की भावना से खेलना चाहिए।
- प्रेमपूर्वक मिलजुल कर रहना, आपसी दुर्भाव समाप्त करना तथा आपसी मेलजोल व तालमेल को प्रोत्साहित करता है।
- खेलों के माध्यम युवा वर्ग अपनी अतिरिक्त ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में खर्च करता है।
  - यदि इस अतिरिक्त ऊर्जा का सही ढंग से उपयोग नहीं करेगा तो वह शक्ति को बुरे कृत्यों में लगाएगा। खेल निर्धारित लक्ष्य के प्रति समर्पण, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का भाव उत्पन्न करता है।
  - खेलों से खिलाड़ियों में आत्म नियंत्रण का भाव पैदा होता है तथा अलग-अलग स्थानों और देशों में खेलों का आयोजन होने से विश्व बंधुत्व की भावना जाग्रत होती है।
- खेलकूद से समन्वय की भावना आती है एवं मिलजुलकर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।
  - एक देश के खिलाड़ी जब एक साथ खेल का हिस्सा बनते हैं तो राष्ट्रवाद की भावना चरमोत्कर्ष पर पहुँच जाती है।
  - खेलकूद युवावर्ग को रोजगार सृजन में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देता है बल्कि उसको सम्मान का पात्र भी बनाता है।

भारत में खेल नीतियाँ

राष्ट्रीय खेल नीति. 1992

- भारत सरकार ने 1984 ,1992, 2001 व 2007 में खेल नीतियाँ लागू की।
- राष्ट्रीय खेल नीति की कार्य योजना के प्रारम्भिक भाग में वर्ष 1947 के पूर्व अंग्रेजों का तीन खेलों क्रिकेट, फुटबॉल एवं हॉकी पर ही ध्यान था।
- खेल कूद को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 1984 में भारत सरकार ने पहली खेल नीति बनाई।
  - उसके बाद 1992 में राष्ट्रीय खेल नीति लाई जो 1984 की खेल नीति का विस्तृत रूप था।
- 19 अगस्त, 1992 को घोषित दूसरी राष्ट्रीय खेल नीति को चार भागों में बाँटा गया।
  - पहले भाग में सम्पूर्ण देश में खेल का माहौल पैदा करने पर जोर दिया गया।
  - दूसरे भाग में पूरे देश में खेलों के विस्तार पर जोर दिया गया।
  - तीसरे भाग में पूरे देश में खेलों के प्रति स्तरों में सुधार पर बल दिया गया।
  - चौथे भाग में खेल प्रबन्ध में सुधार व प्रगति पर जोर दिया गया।
- 1992 की खेल नीति में 16 सूत्री खेल नीति निर्धारित की थी जो इस प्रकार हैं-
  - ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों की आधारभूत सुविधाओं को विकसित करना।
  - खिलाड़ियों के लिए पौष्टिक आहार की व्यवस्था करना।

- खेल मैदानों व खुले क्षेत्रों का संरक्षण करना।
- युवा खेल प्रतिमाओं की खोज करना करना।
- स्कूलों व अन्य शैक्षणिक संस्थानों की सांस्कृतिक गतिविधियों में खेलों को शामिल करना।
- स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लेना व खेलों में सहयोग के लिए प्रोत्साहित करना ।
- खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाना व प्रोत्साहन देना।
- खिलाड़ियों के लिए रोजगार की व्यवस्था करना।
- खेल छात्रावास विद्यालय व विश्वविद्यालयों की स्थापना करना।
- अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं (एशियाई ओलम्पिक, राष्ट्रमंडल आदि) को प्राथमिकता देना।
- अन्तर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में विशिष्ट टीम को भेजना।
- खिलाड़ियों के देश बाहर भेजने हेतु भारतीय ओलम्पिक संघ व राज्य खेल संघों का समन्यय बनाना।
- खेलों को राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ना और इसके लिए जनसंचार का प्रभावी उपयोग करना।
- खेल उपकरण आसानी से उपलब्ध हो, इसके लिए खेल उद्योग को बढ़ावा देना।
- खेल के क्षेत्र में विकास व अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- गैर खेल संस्थानों का वित्तीय आधारभूत संरचना आयोजन में सक्रिय सहयोग लेना।

राष्ट्रीय खेल नीति - 2001

- खेलों को बढ़ावा देने तथा प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहन देने के लिए यह खेल नीति बनाई।
- 11 सितम्बर, 2001 को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने राष्ट्रीय खेल नीति 2001 को स्वीकृति प्रदान की।
- खेल नीति में खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा महिला, आदिवासियों व ग्रामीण युवाओं को बढ़ावा देने पर बल दिया गया।
- इस खेल नीति में खेलों के आधार को मजबूत करने, खेलों में उच्चतम प्रदर्शन को प्राप्त करने, संरचनात्मक विकास एवं सुधारीकरण, खेल महासंघों व अन्य संबंधित निकायों को सहायता देने, खेलों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने एवं आम जनता में जागरूकता पैदा करने पर भी बल दिया गया।

राष्ट्रीय खेल नीति.2007

- 2007 की खेल नीतियों में व्यक्तित्व के विकास सामुदायिक विकास, स्वास्थ्य व अच्छा रहन-सहन, अन्तर्राष्ट्रीय शांति और भाईचारा को बढ़ावा इत्यादि को खेल भावना बढ़ाने के रूप में स्वीकार किया गया।
- इसमें समाज के सभी वर्गों की खेल सबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति व इसे एक जीवन पद्धति के रूप में अपनाने की बात कही गई है।
- **सिद्धान्त**
  - केन्द्र सरकार खेलकूदों में असमान अवसरों की उपलब्धता के निवारण हेतु अधिक प्रत्यक्ष व सक्रिय भूमिका का निर्वाह करेगी तथा राज्य सरकारों को पंचायती राज संस्थाओं, नगरपालिकाओं, महानगरों के निगमों के सहयोग से इसे करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।
  - केन्द्र सरकार राज्य सरकारों भारतीय ओलम्पिक संघ और राष्ट्रीय खेल परिसंघों तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से ओलम्पिक आंदोलन की भावना के अनुरूप खेलों में स्वायत्तता का सम्मान, सुरक्षा और सुदृढ़ीकरण को सुनिश्चित करते हुए खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का लक्ष्य रखेगी।
  - केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारें राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग प्राधिकरण (NADA) भारतीय खेल प्राधिकरण और राष्ट्रीय खेल परिसंघों के सहयोग से खेलों में डोपिंग और भ्रष्टाचार से खराब हुई राष्ट्रीय छवि को सुधारने के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेगी।

- **उद्देश्य व रणनीतियाँ –**
  - सबके लिए खेल

- शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने अथवा मनोरंजन हेतु व्यक्ति या सामुदायिक विकास के लिए सभी वर्गों के नागरिकों, सभी आयु समूहों के लिए खेलों व शारीरिक शिक्षा के सार्वभौमिक अवसर उपलब्ध कराना।
- सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के संगठनों, निगमों को ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में खेलों की संरचनात्मक ढाँचा की पूर्ति के लिए कार्य में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।

o शैक्षणिक संस्थाओं में सार्वभौमिक खेल सुविधाएँ जुटाना

- सीनियर तक के स्कूलों में शारीरिक शिक्षा और खेलों को पाठ्यचर्या का एक आंतरिक भाग बनाना।
- नवोदय विद्यालयों तथा केन्द्रीय विद्यालयों को एकीकृत मॉडल को प्रोत्साहन देने के लिए प्रमुख भूमिका निभानी होगी।
- न्यूनतम मुख्य खेलों के लिए न्यूनतम निर्धारित मानक सुविधाओं को उपलब्ध कराना।

o ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाएँ

- देशी खेलकूदों को बढ़ावा देना और उन्हें मान्यता दिलाना ।
- प्रत्येक स्थानीय संस्था द्वारा विशेष देशी खेल सहित लोकप्रिय खेलकूदों का पता लगाएगी जिससे उसके लिए बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सके।
- खेल मैदानों के लिए भूमि उपलब्ध कराने हेतु केन्द्र सरकार राज्य सरकारों को दिशा-निर्देश जारी करेगी।

o शहरी क्षेत्रों में खेल सुविधाएँ

- खेलने के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने हेतु नगरपालिकाओं तथा अन्य शहरी स्थानीय संस्थाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।
- खेलों की सुविधाएँ उपलब्ध कराना यह राज्य सरकार नगरपालिका व निजी संस्थाओं के माध्यम से किया जाएगा।

o खेल संस्कृति और प्रतिस्पर्धा के लिए सामूहिक भागीदारी।

- इस बात को मान्यता दी जानी चाहिए कि प्रतियोगिता खेल की आत्मा है।
- खेल क्लब संस्कृति का पोषण, खेल तथा स्वास्थ्य क्लबों के गठन को प्रोत्साहन और सहायता देना ये खेल क्लब या तो अपनी स्वयं की खेल सुविधाएँ सुजित करेंगे अथवा अपने सदस्यों के लिए उपयुक्त भुगतान करेंगे और योजनाओं के माध्यम से सार्वजनिक व निजी सुविधाएँ उपलब्ध कराएँगे।
- खेल स्पर्धाओं को जमीनी स्तर से लेकर राज्य / राष्ट्रीय स्तर पर आयोजन को प्रोत्साहन देना ताकि खेलों में रुचि को बनाए रखा जा सके तथा प्रतिमा खोज के लिए कौशल दिखाने का निष्पक्ष अवसर प्राप्त हो सके।

o युवा विकास और खेल-

- युवा समन्वयकों और स्वयं सेवकों के लिए खेलकूदों में विशिष्ट प्रशिक्षण उपलब्ध कराना।
- राष्ट्रीय व अन्य शिविरों में खेलकूदों में अभ्यास व स्पर्धाओं का आयोजन करना।
- सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में खेल का प्रवेश के लिए गतिविधि के रूप में उपयोग करना।
- रोजगार परक अवसरों के विकास के लिए तथा आर्थिक विकास के लिए शारीरिक शिक्षा और खेलों के महत्व को समझना व उनका प्रसार करना।

o युवा लड़कियों और महिलाओं में खेलों का संवर्धन।

- खेलों में लड़के और लड़कियों, पुरुष और महिलाओं को अलग-अलग परन्तु समान सुविधाएँ प्राप्त हो ताकि खेलों में लिंगभेद को समाप्त करना इस खेल नीति की रणनीति में एक मुख्य तत्व हो।

राजस्थान खेल नीति – 2013

- राजस्थान राज्य खेल नीति 2013 में प्रदेश के सभी नागरिकों को खेलों की आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने का विशेष उल्लेख किया गया है।

- इस खेल नीति के मुख्य उद्देश्य उनिम्नलिखित है–
  - खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना।
  - खेलों में अनुकूल वातावरण तैयार करना।
  - खेलों में राज्य से अधिकाधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना।
  - खेलों के विकास हेतु आधारभूत ढांचा तैयार करना।
  - राष्ट्रिय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का सम्मान एवं सुविधाएँ प्रदान करना।
  - पैरा खिलाडियों को उनकी जरूरत सुविधाएँ मुहैया करवाते हुए खेलों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।
- राज्य खेल नीति के पहलू
  - प्रशिक्षण
  - प्रोत्साहन
  - खेलों में विज्ञान एवं तकनीक
  - आधारभूत खेल संरचना
  - खेल गतिविधियाँ
- राजस्थान की खेल नीति 2013 में वर्णित मुख्य प्रावधान इस प्रकार हैं –
  - RPSC के दायरे में नहीं आने वाली राजकीय सेवाओं में अन्तर्राष्ट्रीय खिलाडियों सहित राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को 2 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है।
  - मुख्यमंत्री ने राज्य खेल जगत को बड़ी सौगात देते हुए खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में 10 गुना बढ़ोतरी कर दी है।
  - 26 मार्च 2013 को विधानसभा में पेश बजट में उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 50 हजार रू. के स्थान पर 5 लाख रू., द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 30 हजार रू. के स्थान पर 3 लाख रू. एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 30 हजार रू. के स्थान पर 3 लाख रू. एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने पर 20 हजार रू. के स्थान पर 2 लाख रू. का प्रावधान कर दिया है।
  - नेशनल प्रतियोगिता में चैम्पियन रहने पर खिलाड़ी को 25 हजार रू. के स्थान पर 2.5 लाख रू. मिलेंगे।
    (i). रजत विजेता की राशि 10 हजार रू. के स्थान पर 1 लाख रू. तथा कांस्य विजेता की राषि 5 हजार रू. के स्थान पर 50 हजार रू. कर दी गई है ।
  - राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल करने पर 10 हजार रू. की जगह 1 लाख, दूसरा स्थान हासिल करने पर 5 हजार रू. की जगह 50 हजार रू. तथा तीसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को 2 हजार रू. की जगह 20 हजार रू. दिये जाएँगे।

खेल प्रोत्साहन योजनाएँ

आओ और खेलो योजना

- दिल्ली और पूरे देश में खेल सुविधाओं के बेहतर उपयोग के लिए आओ और खेलो योजना की शुरूआत की गई तथा प्रारम्भिक तौर पर क्षेत्र में जहाँ भाखेप्रा की खेल सुविधाएं तथा केन्द्र स्थापित हैं।
- यहाँ स्थानीय खिलाड़ियों को मुख्य रूप से उत्साहित करने के लिए ध्यान केन्द्रित था।
  - जैसे स्थानीय समुदायों एवं खेल के लिए उत्साहित व्यक्तियों को भाखेप्रा के प्रशिक्षकों के अन्तर्गत प्रशिक्षण देने के सुअवसर के साथ युवाओं को सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।
- इस योजना से उन व्यक्तियों को एक मौका मिलता है जो नियमित आवासीय एवं गैर आवासीय योजनाओं के अन्तर्गत कवर नहीं हो रहे हैं।
- इस योजना से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तलाशने का एक और रास्ता सुगम हुआ है, जहाँ से उदीयमान खिलाड़ियों की तलाश हो सकती है तथा उन उद्यमान खिलाड़ियों को भाखेप्रा के खेल प्रशिक्षण केन्द्र एवं विशेष क्षेत्र खेल केन्द्र की नियमित आवासीय खेल उन्नत योजनाओं में शामिल किया जा सकता है।
- मई 2011 में कई चरणों में दिल्ली में स्थित विभिन्न भाखेप्रा स्टेडियम परिसरों में इस योजना की शुरुआत की गई थी।

- योजनाओं से उत्साहपूर्वक और जबरदस्त प्रतिक्रिया के उपरांत 01 अक्टूबर, 2011 से भारतीय खेल प्राधिकरण को इस योजना को विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों / उपकेन्द्रों / शैक्षणिक संस्थानों / खेल प्रशिक्षण केन्द्र तथा विशेष क्षेत्र खेल केन्द्रों में लागू करने के लिए उत्साह मिला है।
- इस योजना से स्थानीय मीडिया में प्रेस विज्ञप्तियों अखबारों सहित टेलीविजन स्पोर्ट्स एवं रेडियो जिंगल इत्यादि के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है।
- विभिन्न जिलों, खंडों स्थानीय प्राधिकरणों तथा जिला शिक्षा अधिकारियों / जिला खेल अधिकारियों जैसे कि स्कूल / कॉलेज के प्राध्यपकों / प्राचार्यों तथा भाखेप्रा में सूचना / संकेत उपलब्ध कराए गए हैं जिससे उपलब्ध सुविधाओं के बारे में अधिक से अधिक प्रशिक्षार्थियों को इस सुविधा के विषय में जानकारी प्राप्त हो सके जिससे और बेहतर करने के लिए उन्हें उपलब्धता प्राप्त हो सके।
- प्रशिक्षार्थियों को खेल के मैदान / गैर-उपभोज्य उपस्कर जैसे कि मैदान, टैक, टेबल, गेट इत्यादि सुविधा उपलब्ध करवाई है। अधिक से अधिक एवं अनिवार्य उपभोज्य सामान जैसे कि बॉल, शटल कॉक इत्यादि भी भाखेप्रा द्वारा उपलब्ध कराई गई है।

खेलों इंडिया स्कीम

- भारत सरकार ने खेलों में युवाओं की बड़े पैमाने पर भागीदारी बढ़ाए जाने, प्रतिभा खोज एवं खेलों के लिए आधारभूत संरचनाओं के निर्माण हेतु भारत सरकार की तीन योजनाओं राजीव गाँधी खेल अभियान (RGKA), अर्बन स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर स्कीम (USIS) और राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज व्यवस्था कार्यक्रम (NSTSP) नामक मौजूदा योजनाओं के विलय के पश्चात् वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान एक नई अम्ब्रेला योजना 'खेलो इंडिया' का शुभारम्भ किया गया।
- यह योजना 100 प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित योजना है।
- राज्य सरकार चाहे तो योजना को और अधिक व्यापक और सफल आयोजन हेतु अपना अंशदान दे सकती है।
- इस योजना के उद्देश्य
  - वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से खेलों में युवा आबादी की जन भागीदारिता, खेल प्रतिभा की पहचान करना।
  - खेल अकादमियों के माध्यम से खेल प्रतिभाओं का पोषण करना।
  - ब्लॉक, जिला और राज्य/संघ शासित प्रदेशों के स्तर पर खेल के बुनियादी ढांचे का निर्माण करना।

राजस्थान की खेल अकादमियाँ

खेल अकादमी

जनजाति खेल अकादमी	उदयपुर
नौकायान अकादमी	कोटा
बास्केटबॉल खेल अकादमी	जैसलमेर
फुटबॉल अकादमी	जोधपुर
कबड्डी खेल अकादमी	करौली

राज्य में खेल छात्रावास एवं खेल अकादमियाँ :–

बालक तीरंदाजी छात्रावास	आबू रोड, सिरोही
बालक वॉलीबॉल छात्रावास	झुंझुनु
बालक फुटबॉल अकादमी	जोधपुर
बालक कबड्डी अकादमी	करौली
बालक एथलेटिक्स छात्रावास	श्रीगंगानगर
बालक बास्केटबॉल अकादमी	जैसलमेर

बालिका वॉलीबॉल व एथलेटिक्स छात्रावास	जयपुर
महिला हॉकी अकादमी	अजमेर
महिला बास्केटबॉल अकादमी	जयपुर

- राज्य सरकार ने वर्ष 2015–16 में 2 नई अकादमियाँ हॉकी तथा बास्केटबॉल क्षेत्र स्थापित करने की घोषणा की।
- तीरंदाजी एवं शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए राज्य में नेशनल एकेडमी फॉर आर्चरी एंड शूटिंग की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है।
- उदयपुर में जनजाति खेल एकेडमी
  - उदयपुर में जनजाति खेल एकेडमी स्थापित होगी, जिस पर 5 करोड रू. की लागत आएगी।
- जैसलमेर में बास्केटबॉल एकेडमी, करौली में कबड्डी एकेडमी तथा कोटा में नौकायन एकेडमी के लिए 50–50 लाख रू. दिये जाएंगे।
- राजस्थान क्रीड़ा विश्वविद्यालय, झुंझुनू।
  - राजस्थान क्रीड़ा विश्वविद्यालय खोले जाने हेतु मंत्रिमंडल की आज्ञा संख्या 87/2013 दिनांक (07.05. 2013) के अनुमोदन उपरांत राजस्थान The Rajasthan Sports University, Jhunjhunu Ordinance, 2013 दिनांक 12.06.2013 को राजस्थान राजपत्र में जारी किया जा चुका है।
  - इसके पश्चात् The Rajasthan Sports University, Jhunjhunu Act, 2013 दिनांक 16.09.2013 को राजस्थान राजपत्र में जारी किया जा चुका है।
- मुख्यमंत्री प्रतिभा खोज योजना
  - माननीय मुख्यमंत्री महोदया के बजट घोषणा वर्ष 2015–16 की घोषणा संख्या 94.7 की अनुपालना में राज्य में तीरंदाजी, शूटिंग, घुड़सवारी, बास्केटबॉल एवं हॉकी में प्रतिभावान खिलाडियों को सही उम्र पर खोजने के लिए इन खेलों के लिए टेलेन्ट सर्च योजना प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से लागू की गई।
  - सेवा प्रदाता एजेंसी द्वारा 144 खिलाड़ियों का चयन किया गया है।
  - चयनित खिलाड़ियों को राज्य सरकार द्वारा 1 लाख रू. प्रति खिलाड़ी खेल छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है।
- आदिवासी खेल योजना
  - इस योजना के तहत जनजाति क्षेत्रों में 30 आदिवासी खेल केन्द्र स्थापित किए गए हैं।
  - बाँसवाड़ा तथा खेरवाड़ा (उदयपुर) में केन्द्रीय आदिवासी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन प्रारम्भ किया गया है।
- अनुबंध के आधार पर अल्पकालीन प्रशिक्षक
  - राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद्, जयपुर के पास 106 विशेषज्ञ खेल प्रशिक्षक उपलब्ध है जो पर्याप्त नहीं है।
    - अतः माननीय मुख्यमंत्री महोदया के बजट घोषणा वर्ष 2015–16 की घोषणा संख्या (94.6) की अनुपालना में अनुबंध पर अल्पकालिक प्रशिक्षक नियुक्त कर प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है ।
  - इसके तहत सेवा प्रदाता एजेंसी के मार्फत राज्य के सभी जिलों में अभी तक लगभग 300 अल्पकालीन खेल प्रशिक्षक लगाये गये हैं।
- राजस्थान ओलंपिक एसोसिएशन
  - राजस्थान में ओलम्पिक भागीदारी हेतु प्रोत्साहित करने के लिए राजस्थान सरकार ने इस एसोसिएशन की स्थापना की है।
  - वर्तमान में इसके अध्यक्ष जनार्दन सिंह गहलोत है तथा चेयरमैन धनराज चौधरी है।
  - यह संस्था ओलम्पिक खेलों के विकास में बहुमूल्य योगदान देती है।

- राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन
  - इसकी स्थापना 26 सितम्बर 2016 को जयपुर में की गई।
  - यह ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अन्तर्गत कार्य करती है।
  - वर्तमान में मानवेन्द्र सिंह इसके अध्यक्ष है।
  - यह संस्था फुटबॉल को बढ़ावा देने के साथ–साथ राज्य में नए क्लबों को स्थापित करने तथा कोच और रेफरियों को प्रशिक्षण देने का काम भी करती है।
- राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन
  - इसकी स्थापना 1956 में हुई।
  - यह संस्था भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अधीन कार्यरत है।
  - इसका मुख्यालय SMS स्टेडियम, जयपुर में है।
  - यह आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त संघ है।
  - यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में रणजी ट्रॉफी और दिलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए राज्य की किक्रेट टीम का चयन करती है ।
  - वर्तमान में सी. पी. जोशी इसके अध्यक्ष है तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजेन्द्र गढ़वाल एवं सेक्रेटरी आर. एस. बंधू है।
- राजस्थान बास्केटबॉल एसोसिएशन
  - यह संस्था राजस्थान में बास्केटबॉल से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन करती है।
  - वर्तमान में इसके अध्यक्ष प्यारेलाल कोहिवाल है तथा इसके सचिव अजित सिंह राठौड़ है।
  - यह संस्था बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के अन्तर्गत कार्य करती है।
  - बास्केटबॉल राजस्थान का राज्य खेल है।
- जोधपुर में सिंथेटिक ट्रैक की व्यवस्था
  - जोधपुर में गौशाला खेल काम्पलेक्स में 5 करोड रू. की लागत से बनने वाले सिंथेटिक ट्रैक के लिए राज्य सरकार ने 3 करोड़ रू. का अंशदान दिए जाने का निर्णय लिया है।
  - जोधपुर स्थित फुटबॉल एकेडमी के लिए भी 50 लाख की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।
  - यह एकेडमी शुरू हो चुकी है।

क्रीड़ा परिषद् का गठन

- राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के संरक्षक (PATRON) राज्य के राज्यपाल है। राज्य के मुख्यमंत्री भी परिषद् के उपसंरक्षक है। परिषद् के अध्यक्ष मुख्य कार्यकारी होते है। इसके अलावा परिषद् में उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष व राज्य सरकार द्वारा मनोनीत 12 से अनाधिक सदस्य होते हैं। 6 अधिकारी इसके पदेन सदस्य होते हैं। परिषद् के प्रथम अध्यक्ष श्री वी. जी. कानेटकर थे। 11 जुलाई 2014 को अध्यक्ष का कार्यभार श्री जे.सी. महांति (अतिरिक्त मुख्य सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग) संभाले हुये हैं।

द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित राजस्थान के कोच

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	संबंधित खेल	वर्ष
1.	गुरू हनुमान	रेसलिंग	1988
2.	महासिंह राव	मुक्केबाजी	2006
3.	वीरेन्द्र पूनिया	एथलेटिक्स	2012
4.	प्रो. कर्ण सिंह	एथलेटिक्स	2016
5.	रिपुदमन सिंह	एथलेटिक्स	2016
6.	भवानी मुखर्जी	टेबल टेनिस	2016
7.	सागरमल धायल	बॉक्सिंग	2016
8.	आर. गाँधी	एथलेटिक्स	2017

9.	हीरानंद कटारिया	कबड्डी	2017
10.	जी.एस.एस.वी. प्रसाद	बैडमिंटन – लाइफटाइम	2017
11.	बृजभूषण मोहंती	बॉक्सिंग – लाइफटाइम	2017
12.	पी.ए. राफेल	हॉकी – लाइफटाइम	2017
13.	संजय चक्रवर्ती	शूटिंग – लाइफटाइम	2017
14.	रोशनलाल	कुश्ती – लाइफटाइम	2017

Toppersnotes
Unleash the topper in you

2 CHAPTER भारतीय खेल प्राधिकरण एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद्

भारतीय खेल प्राधिकरण (Sports Athority of India)

- भारतीय खेल प्राधिकरण (Sports Athority of India) भारत के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का महत्वपूर्ण अंग है।
- अपनी खेल प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से भारतीय खेल प्राधिकरण युवाओं में प्रतिभा उत्पन्न करने का काम करता है।
- इसके लिए वह उन्हें आवश्यक आधारभूत ढाँचा, उपकरण, प्रशिक्षण सुविधाएँ और प्रतियोगिता के अवसर प्रदान करता है।
- भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय खेल निकाय है, जिसे भारत में खेल के विकास के लिए भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा 1984 में स्थापित किया गया था।
- SAI में 2 खेल शैक्षणिक संस्थान, 10 "SAI क्षेत्रीय केंद्र" (SRC), 14 "उत्कृष्टता केंद्र" (COE/COX), 56 "खेल प्रशिक्षण केंद्र" (STC) और 20 "विशेष क्षेत्र खेल" (SAG) हैं।
- इसके अलावा, SAI नेताजी सुभाष हाई एल्टीट्यूड ट्रेनिंग सेंटर (शिलारू, हिमाचल प्रदेश) के साथ-साथ दिल्ली की राष्ट्रीय राजधानी में 5 स्टेडियमों का भी प्रबंधन करता है, जैसे कि जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (SAI के राष्ट्रीय मुख्य कार्यालय का कार्य करता है), इंदिरा गाँधी अखाड़ा, ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, एसपीएम स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स और डॉ° कर्णी सिंह शूटिंग रेंज।
- खेल आज मानव व्यक्तित्व के चौमुखी विकास का अभिन्न अंग है और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का राष्ट्रीय गौरव और मनोबल पर बड़ा प्रभाव पड़ता है।
- इस बदलते राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य की बढ़ती माँगों की पूर्ति के लिए सरकार ने खेलों में उत्कृष्टता लाने के कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने का दायित्व अपने ऊपर लिया है।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद

प्रस्तावना

- राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 के अन्तर्गत एक पंजीकृत संस्था है, जो प्रदेश में युवा मामले एवं खेल विभाग के नियंत्रण में राज्य में खेलों के विकास की सर्वोच्च संस्था है।
  - स्थापना के पश्चात् क्रीड़ा परिषद् ने विगत 60 वर्षों के इतिहास में राज्य के खेलों के विकास में अपनी महती भूमिका निभाई है।
- राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए खिलाड़ियों को महाराणा प्रताप पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।
  - वर्ष 1982-83 से महाराणा प्रताप पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।
  - वर्ष 2015-16 तक राजस्थान के 163 खिलाड़ियों को महाराणा प्रताप पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जा चुका है।
- महाराणा प्रताप पुरस्कार में चयनित खिलाड़ियों को वर्तमान में 1 लाख रू. की नकद राशि, महाराणा प्रताप की ब्रास प्रतिमा, ब्लेजर मय टाई एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।
- क्रीड़ा परिषद् ऐसे खेल प्रशिक्षकों को भी वशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित करती है जो राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को तराश कर योग्य खिलाड़ी बनाते हैं।
  - वर्ष 1985-86 से यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है।
  - वर्ष 2015-16 तक 38 खेल प्रशिक्षकों को यह पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है।
- गुरु वशिष्ठ पुरस्कार में प्रशिक्षकों को वर्तमान में 1 लाख रू. की नकद राशि गुरु वशिष्ठ की ब्रास प्रतिमा ब्लेजर मय टाई एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।
- भारत में खेलों के विकास को नई दिशा प्रदान करने के लिए राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् श्रेय की पात्र है।

Unleash the topper in you

- खेल परिषद् ने देश में पहली बार राज्य के चयनित खिलाड़ियों हेतु आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की परम्परा डाली, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर सराहा अनुकरण किया गया परिषद् ने पर्वतीय स्थल माउण्ट आबू में सन् 1959 में पहले खेलकूद प्रशिक्षण शिविर की शुरूआत की।
  - मई-जून 2017 में इस परम्परा को जारी रखते हुए 59वाँ केन्द्रीय प्रशिक्षण शिविर माउण्ट आबू व जयपुर में आयोजित किया गया।
- खेल परिषद् द्वारा जनजाति क्षेत्रों की प्रतिभाओं को तलाश कर तराशने के लिए ग्रीष्मावकाश में पृथक् से आवासीय प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जाता है।
  - जनजाति शिविर वर्ष 2017 में भी माह मई-जून में डूँगरपुर गरपुर में आयोजित किया गया।

क्रीड़ा परिषद् का गठन

- राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के संरक्षक (PATRON) राज्य के राज्यपाल हैं।
- राज्य के मुख्यमंत्री भी परिषद् के उप संरक्षक हैं। परिषद् के अध्यक्ष मुख्य कार्यकारी होते हैं।
- इसके अलावा परिषद् में उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष व राज्य सरकार द्वारा मनोनीत 12 से अनाधिक सदस्य होते हैं।
- 6 अधिकारी इसके पदेन सदस्य होते हैं।
  - परिषद् के प्रथम अध्यक्ष श्री बी.जी. कानेटकर थे।
- 11 जुलाई 2014 से अध्यक्ष का कार्यभार श्री जे.सी. महांति (अतिरिक्त मुख्य सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग) संभाले हुये हैं।

प्रशासनिक व्यवस्था

- राज्य में खेल गतिविधियों के संचालन एवं प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन के लिये विभिन्न संवर्ग के 339 पद सृजित हैं, जिसमें 247 पद भरे हुए हैं व 92 पद खाली है।
- इसमें परिषद् के सचिव सहित अधिकारी संवर्ग के 30 अधीनस्थ कर्मचारी संवर्ग के 119 पद एवं 44 मंत्रालयिक एवं 54 सहायक संवर्ग के कार्मिक कार्यरत हैं।
- प्रदेश में निःशुल्क खेल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये प्रशिक्षकों के 148 पद स्वीकृत ह हैं, जिसमें वर्तमान में 106 प्रशिक्षक प्रशिक्षण का कार्य कर रहे है।
- राज्य के सभी 33 जिलों में खेलों को बढ़ावा देने व नियमित प्रशिक्षण देने के लिए जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र के कार्यालय कार्यरत हैं।
  - इन कार्यालयों में परिषद् का एक खेल अधिकारी / प्रभारी, कनिष्ठ लिपिक तथा जिलों में प्रचलित खेलों के आधार पर आवश्यकता एवं उपलब्धता अनुसार प्रशिक्षकों को पदस्थापित किया जाता है।
- कार्यालयों व मैदानों के रख-रखाव के लिए चौकीदार एवं गेम्सबॉय भी कार्यरत रहते हैं।
- जिला खेल अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों एवं प्रशिक्षकों के सहयोग से विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ-साथ जिले के होनहार खिलाड़ियों को गहन प्रशिक्षण देने का कार्य भी करते हैं।

क्रीड़ा परिषद् के अध्यक्षों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदेन / नियुक्त	वर्ष
1.	श्री बी. जी. कानेटकर	पदेन	1957 से 1958 तक
2.	श्री पूनम चन्द विश्नोई	नियुक्त	1958 से 1971 तक
3.	स्व. श्री बी. एन. काक	नियुक्त	1971 से 1977 तक
4.	श्री के. एस. रस्तौगी	पदेन	1977 से 1978 तक
5.	स्व. श्री राजसिंह डूँगरपुर	नियुक्त	1978 से 1980 तक
6.	श्री के .एस. रस्तोगी	पदेन	1980 से 1980 तक

7.	श्री के. के. भटनागर	पदेन	1980 से 1981 तक
8.	स्व. श्री गणेश सिंह	नियुक्त	05.12.1981 से 04.12.1984 तक
9.	श्री आई. सी. श्रीवास्तव	पदेन	05.12.1984 से 19.09.1985 तक
10.	स्व. श्री एन. एल. कच्छारा	नियुक्त	20.09.1985 से 19.09.1988 तक
11.	श्री गोविन्द जी मिश्रा	पदेन	28.09.1988 से 1989 तक
12.	श्री जे. पी. सिंह	पदेन	1989 से 1989 तक
13.	श्री अमर सिंह राठौड़	पदेन	1989 से 31.08.1989 तक
14.	स्व. श्री मूलचन्द चौहान	नियुक्त	01.09.1989 से 30.08.92 तक
15.	श्री बी. एल. मेहरदा	पदेन	01.09.1992 से 20.01.1994 तक
16.	श्री एस. एन. माथुर	नियुक्त	21.01.1994 से 20.01.1997 तक
17.	श्री बी. एल. मेहरदा	पदेन	31.01.1997 से 28.02.1997 तक
18.	स्व. श्री यतीन्द्र सिंह	नियुक्त	01.03.1997 से 15.01.1999 तक
19.	श्री फतेह सिंह चारण	पदेन	16.01.1999 से 15.03.1999 तक
20.	श्री रवि माथुर	पदेन	16.03.1999 से 14.11.1999 तक
21.	ग्रुप के गजेन्द्र सिंह शक्तावत	नियुक्त	15.11.1999 से 18.12.2003 तक
22.	श्री बी. बी. महान्ति	पदेन	19.12.2003 से 18.01.2004 तक
23.	डॉ. दिनेश कुमार गोयल	पदेन	19.01.2004 से 26.06.2005 तक
24.	श्री मनोहर कान्त	पदेन	27.06.2005 से 20.04.2007 तक
25.	श्री जे. सी. महान्ति	पदेन	21.04.2007 से 17.09.2008 तक
26.	श्री प्रदीप सेन	पदेन	17.09.2008 से 12.10.2008 तक
27.	श्री धर्मनारायण जोशी	नियुक्त	13.10.2008 से 8.11.2008 तक
28.	श्री प्रदीप सेन	पदेन	19.11.2008 से 25.08.2009 तक
29.	श्री बी. बी. महान्ति	पदेन	25.08.2009 से 10.12.2009 तक
30.	श्री शिवचरण माली	नियुक्त	10.12.2009 से 09.12.2013 तक
31.	श्री अजीत कुमार सिंह	पदेन	09.01.2014 से 06.07.2014 तक
32.	श्री जे.सी. मोहन्ती	पदेन	07.07.2014 - वर्तमान

मुख्यमंत्री खेल प्रतिभा खोज योजना

प्रस्तावना

- राज्य सरकार की मंशा है कि प्रदेश में खेलों के प्रति बालकों/ बालिकाओं को आकर्षित करने हेतु छुपी हुई खेल प्रतिभाओं को सामने लाया जाये।
- सरकार के सुराज संकल्प-2013 की क्रियान्विति हेतु वार्षिक खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के तहत 14 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के 10वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का चयन किया जाकर राज्य स्तर पर चयनित खिलाड़ियों को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण के साथ-साथ खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु आवश्यक अन्य सहायता प्रदान की जायेगी।
- राजस्थान सरकार की माननीया मुख्यमंत्री महोदया की बजट घोषणा संख्या 94.7 के अनुसार राज्य में तीरंदाजी, निशानेबाजी, घुड़सवारी, बास्केटबॉल और हॉकी में प्रतिभावान खिलाड़ियों को सही उम्र पर खोजने के लिये इन खेलों के लिये प्रतिभा खोज योजना लागू की जायेगी।
  - चुने हुये खिलाड़ियों को राज्य सरकार द्वारा खेल छात्रवृत्ति भी दी जायेगी।

उद्देश्य

- वैज्ञानिक तरीके से कम उम्र में ही खेल प्रतिभाओं की खोज करना।
- चुने हुये प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना एवं संबंधित खेलों में उनकी खेल योग्यताओं में वृद्धि करना।
- राज्य से युवा खेल प्रतिभाओं का पलायन रोकना।

दृष्टिकोण

राज्य के प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों की खोज करना और उन्हें श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु समुचित प्रशिक्षण एवं अन्य सुविधाएँ देना।

समिति एवं कार्यकारी एजेन्सी

- मुख्यमंत्री खेल प्रतिभा खोज योजना के सफल संचालन हेतु राज्य स्तर पर निम्न प्रकार स्टियरिंग समिति रहेगी:
  - प्रमुख शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग - अध्यक्ष
  - प्रमुख शासन सचिव माध्यमिक शिक्षा विभाग का प्रतिनिधि - सदस्य
  - सचिव, राजस्थान राज्य कीडा परिषद - सदस्य सचिव
  - चयनित निजी एजेन्सी का प्रतिनिधि - सदस्य
  - खेल अधिकारी (मुख्यालय), राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद - सदस्य
  - खेल प्रबन्धक (महिला) - सदस्य

नोडल विभाग. युवा मामले एवं खेल विभाग

इस योजना के लिये कार्यकारी एजेन्सी राजस्थान क्रीड़ा परिषद् जयपुर होगी।

प्रस्तावना

- युवा मामले और खेल मंत्रालय शुरू में नई दिल्ली में नौवी एशियाई खेलों के आयोजन के समय में 1982 में खेल विभाग के रूप में स्थापित किया गया था।
- इसका नाम अन्तर्राष्ट्रीय युवा वर्ष 1985 के जश्न के दौरान युवा मामले एवं खेल विभाग में बदल गया था।
- यह 27 मई 2000 पर एक मंत्रालय बन गया।
- इसके बाद मंत्रालय ने विभाग में विभाजित किया गया है।
- खेल को बढ़ावा देने के लिए मुख्य रूप से स्वायत्त हैं जो विभिन्न राष्ट्रीय खेल महासंघों की जिम्मेदारी है।
- सरकार की भूमिका बुनियादी ढाँचे का निर्माण और खेल के व्यापक आधारित लिए और साथ ही राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगी घटनाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना है।
  - विभाग की योजनाएँ इन उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में सक्षम हैं।

योजना का उद्देश्य

- ओलम्पिक लक्ष्य पोडियम योजना युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की एक प्रमुख योजना है तथा जो भारत के एथलीटों को सहायता उपलब्ध कराने का एक प्रयास है।
- इस योजना से इन एथलीटों की तैयारी हेतू बीमा भल्क से जोड़ने के बारे में सोचा जा रहा है जिससे इस योजना के अन्तर्गत एथलीट 2020 तथा 2024 ओलम्पिक खेलों में ओलम्पिक पदकों को जीत सके।
- खेल विभाग 2020 तथा 2024 ओलम्पिक खेलों में सम्भवितों को चिन्हित करेगा।
    - इस योजना का उद्देश्य भविष्य में तथा 2024 में पेरिस ओलम्पिक खेलों के लिए एवं लास एंजलिस खेल 2028 के लिए जो सम्भावित पदक विजेता है ऐसे एथलीटों के विकास समूह पर भी दृश्टि रखना है।

वर्तमान सफलता

- ओलम्पिक लक्ष्य पोडियम योजना द्वारा प्रायोजित एथलीटों ने 2016 रियो ओलम्पिक एवं 2018 में आयोजित राष्ट्रमण्डल खेलों में सम्बंधित खेल विधा में सफलता हासिल की है।
- रियो ओलम्पिक 2016 में पी.वी. सन्धु, साक्षी मलिक ने रजत एवं कांस्य बैडमिंटन एवं कुश्ती क्रमानुसार पदक प्राप्त किये पेराओलम्पिक खेलों 2016 में टॉप्स एथलीटों ने 2 स्वर्ण, 1 रजत तथा 1 कांस्य पदक प्राप्त कर योजना की प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया।
- राष्ट्रमण्डल खेलों में प्राप्त वर्तमान सफलता से योजना की कार्य कुशलता पर बल दिया गया है।

मिशन ओलम्पिक प्रकोष्ठ (एमओसी)

- ओलम्पिक लक्ष्य पोडियम योजना के अन्तर्गत चयनित एथलीटों की सहायता के सर्जन के लिए मिशल ओलम्पिक प्रकोष्ठ एक समर्पित निकाय है।
- मिशल ओलम्पिक प्रकोष्ठ महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण (डीजी साई) की अध्यक्षता में कार्यरत है।
- अन्य सदस्यों के अलावा राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) के सम्बंधित प्रतिनिधियों एवं भाखेप्रा परियोजना अधिकारियों द्वारा बैठको में भाग लिया गया।
- मिशन ओलम्पिक प्रकोष्ठ की अवधारणा बहस चर्चा तथा प्रक्रियाओं एवं तरीकों पर निर्णय लेना है जिससे एथलीटों को उत्कृष्ट सहायता प्राप्त हो।
- मिशन ओलम्पिक प्रकोष्ठ का कार्य एथलीटों प्रशिक्षकों, प्रशिक्षण संस्थानों के चयन, बहिष्कार एवं प्रतिधारण पर भी केन्द्रित करना है जिससे ओलम्पिक लक्ष्य पोडियम योजना से सहायता प्राप्त की जा सके।
- मिशन ओलम्पिक प्रकोष्ठ के कुछ अन्य क्रियाक्लाप निम्नानुसार उल्लेखित हैं-
    - टॉप्स योजना के अन्तर्गत एथलीटों के चयन के लिए अनुकूल क्रियाकलापों को मंजूरी देना।
    - अनुकूल क्रियाक्लापों के लिए वित्तीय सिफारिशों की अदायगी करना।
    - प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अनुसार एथलीटों की उन्नति के लिए कार्यक्रमों की सहायता, निगरानी एवं समीक्षा करना ।
    - एथलीटों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर नियमित रिपोर्ट अधिसरंचना को व्यवस्थित करना।
    - एथलीटों की अचानक एवं अप्रत्याशित आवश्यकताओं / जरूरतों पर निर्णय लेना।
    - एथलीटों की उन्नति आवश्कताओं एवं परिप्रेक्ष्यों पर एथलीटों के साथ नियमित तौर पर संवाद रखना।
    - कार्य के निपटान / निष्पादन यदि कोई है अथवा उपरोक्त सभी कार्यों के लिए क्रियान्वयन पार्टनर एजेंसी को एंगेज करना।
    - लाभार्थियों के प्रलेखन अनुबंधात्मक दायित्वों को सुनिश्चित करना।
    - एनएसडीएफ टॉप्स योजना के अन्तर्गत प्रायोजन / वाणिज्यिक सहयोगी / मिडिया प्रतिबद्धता के देने के लिए।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् से मान्यता प्राप्त खेलकूद संघ

1. राजस्थान वॉलीबॉल संघ, जयपुर।
2. राजस्थान बैडमिंटन संघ, अजमेर।
3. राजस्थान जिम्नास्टिक संघ, जयपुर।
4. राजस्थान साइक्लिंग संघ, बीकानेर।
5. राजस्थान पावर लिफ्टिंग संघ, जयपुर।
6. राजस्थान प्रशिक्षक (कोचेज) संघ।
7. राजस्थान याकिंग व केनोइंग संघ।
8. राजस्थान तलवारबाजी संघ।
9. राजस्थान टेबल टेनिस संघ, अजमेर।
10. राजस्थान महिला क्रिकेट संघ, जयपुर।

11. राजस्थान महिला हॉकी संघ, जयपुर।
12. राजस्थान ओलम्पिक संघ, जयपुर।
13. राजस्थान घुड़सवारी संघ।
14. राजस्थान शतरज संघ, बीकानेर।
15. राजस्थान कबड्डी संघ, जयपुर।
16. राजस्थान शरीर सौष्ठव संघ, जोधपुर।
17. राजस्थान रोइंग संघ।
18. राजस्थान एथलेटिक्स संघ, अजमेर।
19. राजस्थान टेनिस संघ, जयपुर।
20. राजस्थान सॉफ्ट बॉल संघ, जयपुर।
21. राजस्थान हॉकी संघ, श्रीगंगानगर।
22. राजस्थान नौकायन संघ।
23. राजस्थान कुश्ती संघ (ओ.प.), अजमेर।
24. राजस्थान तैराकी संघ, जयपुर।
25. राजस्थान विन्टर गेम्स संघ, राजस्थान
26. राजस्थान कुश्ती संघ (भा.प.), जयपुर।
27. राजस्थान साइकिल पोली संघ, जयपुर।
28. राजस्थान वॉलीबॉल संघ।
29. राजस्थान भारोत्तोलन संघ, जयपुर।
30. राजस्थान महिला फुटबॉल संघ, कोटा।
31. राजस्थान हैंडबॉल संघ, जयपुर।
32. राजस्थान जूडो संघ।
33. राजस्थान क्रिकेट संघ, जयपुर।
34. राजस्थान पोलो क्लब, जयपुर।
35. राजस्थान खो-खो संघ, जयपुर।
36. राजस्थान बास्केटबॉल संघ, जयपुर।

जिला क्रीड़ा परिषदें

- राज्य क्रीड़ा परिषद् नीतियों का पालन व संचालन जिला स्तर पर जिला क्रीड़ा परिषद् द्वारा किया जाता है।
- जिला स्तरीय खेल संघों को सहयोग मार्गदर्शन व अनुदान सम्बन्धी कार्य तथा जिला स्तर पर स्टेडियम निर्माण आदि को गति देने के लिए जिला क्रीड़ा परिषदों का गठन 1960-61 में राजस्थान क्रीड़ा परिषद् द्वारा किया गया।
- जिलाधीश जिला खेल परिषद् का पदेन अध्यक्ष होता है तथा जिला प्रमुख पदेन संरक्षक होता है।
- सचिव किसी सक्रिय खेलप्रेमी को ही बनाया जाता है।
- जिलाधीश व जिला प्रमुख को खेल परिषद् के सदस्यों के मनोनयन का अधिकार दिया गया।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् का योगदान

- राज्य में खेलों के प्रशिक्षण की उचित व्यवस्था के लिए 1985 ई. में 6 क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र उदयपुर, जोधपुर, श्रीगंगानगर ,अजमेर, कोटा तथा बीकानेर में स्थापित किए।
    - इसके बाद 1985-86 में बाँसवाड़ा 1986-87 में सिरोही, 1987-88 में जयपुर में प्रशिक्षण केन्द्र खोले गए।
    - इसके अलावा धौलपुर में कुश्ती सीकर में बास्केटबॉल व भीलवाड़ा एवं डूँगरपुर में प्रशिक्षण केन्द्र खोले गए।
- भीनमाल (जालौर) में एक ग्रामीण प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया ।
    - डूँगरपुर में जनजाति प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया।
    - माउण्ट आबू (सिरोही) में आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया।
        - इस प्रकार राजस्थान में जिला प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना राज्य के सभी जिलों में हो चुकी है।
- सवाई मानसिंह स्टेडियम को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने में क्रीड़ा परिषद् की महत्वपूर्ण भूमिका रही तथा अजमेर, अलवर, माउण्ट आबू, जयपुर स्थित स्टेडियमों को अपने अधीन लेकर उनका विकास किया।
- बीकानेर में ही साइक्लिंग वैलोड्रम स्थापित था। अब वैलोड्रम की सुविधा जयपुर में भी विकसित की गई है।
- सर्वप्रथम राजस्थान ने ही 1965 ई. में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद को प्रोत्साहन देने के लिए ग्रामीण खेलकूद योजना का सूत्रपात किया।
    - राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा देश में सर्वप्रथम ग्रामीण खेलों का आयोजन 1966 में गोनेर (जयपुर) में किया गया।
    - इस तरह देश के सर्वप्रथम एक सुनियोजित एवं मौलिक प्रकार के राज्य स्तरीय ग्रामीण खेलों का आयोजन करने पर अखिल भारतीय खेल परिषद् के अध्यक्ष जनरल करिअप्पा तथा ग्वालियर घराने की राजमाता श्रीमती विजयाराजे सिंधिया ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।
- 23-26 मार्च, 1972 को परिषद् ने द्वितीय अखिल भारतीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन एस.एम.एस. स्टेडियम, जयपुर में किया।

- परिषद् ने देश में सर्वप्रथम युवा व मेधावी खिलाड़ियों के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1959 ई. में माउण्ट आबू (सिरोही) में किया।
- आदिवासी जातियों के बच्चों में छिपी प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए एकलव्य छात्रावास योजना शुरू की गई ।
  - वर्ष 1997 से राज्य स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिताएँ अलग से आयोजित की जाती हैं ताकि बालिकाएँ अधिक संख्या में खेलों के प्रति उत्साहित होकर भाग ले सकें।
- जगतपुरा परिसर में परिषद् द्वारा तीरंदाजी अकादमी का संचालन किया जा रहा है।
- सवाई मानसिंह स्टेडियम में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की स्क्वैश अकादमी बनाई गई है।

खेल संघों के अध्यक्ष

नाम	खेल संघ	आगामी चुनाव तिथि
जे.सी. मोहन्ती	अध्यक्ष - राजस्थान क्रीड़ा परिषद्	
जनार्दन सिंह गहलोत	अध्यक्ष - राजस्थान ओलम्पिक संघ (मई, 2016)	
डॉ. सी. पी. जोशी	अध्यक्ष राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन	दिसंबर, 2020
गोपाल लाल सैनी	अध्यक्ष- राजस्थान एथलेटिक्स एसोसिएशन (2016)	29 अप्रैल, 2020
भूपेन्द्र यादव	अध्यक्ष - राजस्थान तीरन्दाजी एसोसिएशन	15 जून, 2017
सुधीर बक्शी	अध्यक्ष - राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन (2014)	पर्यवेक्षक नहीं
विक्रम सिंह शेखावत	अध्यक्ष - राजस्थान बास्केटबॉल एसोसिएशन (2014)	मार्च, 2022
फतेह सिंह राठौड़	अध्यक्ष - राजस्थान बॉक्सिंग एसोसिएशन (2018)	मार्च, 2022
मानवेन्द्र सिंह	अध्यक्ष - राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन (अगस्त, 2016)	26 अगस्त, 2020
रूपाराम धनदे	अध्यक्ष - राजस्थान हैंडबॉल	7 सितम्बर, 2017
रूपाराम धनदे	उपाध्यक्ष- भारतीय हैंडबॉल फेडरेशन	
मित्रानन्द पूनिया	अध्यक्ष- (कार्यवाहक) राजस्थान हॉकी एसोसिएशन	
तेजस्वी सिंह	अध्यक्ष - राजस्थान कबड्डी एसोसिएशन	21 मई, 2019
कैलाश चौधरी	अध्यक्ष - राजस्थान तैराकी एसोसिएशन	25 अप्रैल, 2019
अनिल चौधरी	अध्यक्ष- राजस्थान वॉलीबॉल एसोसिएशन (अप्रैल, 2016)	27 अप्रैल, 2020
राजमहावीर सिंह	अध्यक्ष - राजस्थान भारोत्तोलन एसोसिएशन	20 अगस्त, 2018
सी. पी. सिंह	अध्यक्ष - राजस्थान कुश्ती एसोसिएशन (मार्च, 2016)	12 मार्च, 2020
भंवर सिंह पलाडा	अध्यक्ष- राजस्थान खो-खो एसोसिएशन (जुलाई, 2016)	23 जुलाई, 2020
मुन्शी खान	अध्यक्ष - राजस्थान टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन	01 अगस्त, 2019
हीरानन्द कटारिया	अध्यक्ष - राजस्थान वुशु संघ	
संजय मील	अध्यक्ष राजस्थान टेनिस एसोसिएशन (अक्टूबर, 2016)	